विश्व अंगदान दिवस मरने के बाद भी जिंदा रहने का मौका, फिर भी लोग नहीं आ रहे आगे, अंगदान के प्रति जागरूकता की कमी

14 वर्षों में 425 लोगों ने दी नेत्रदान की सहमति, 13 साल में मिले 18 शवदान के आवेदन

मंडला 12 अगस्त नभाप्र. मानवता की सेवा का जज्बा केवल अपने कर्तव्यों तक सीमित नहीं, बल्कि उससे कहीं आगे बढ़कर समाज को नई दिशा दे सकता है, इसका जीवंत उदाहरण जिले के 425 लोगों ने प्रस्तुत किया है। इन लोगों ने मरणोपरांत नेत्रदान करने का संकल्प लेकर न सिर्फ अपनी महानता का परिचय दिया है, बल्कि अन्य लोगों को भी इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया है। यह पहल आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी।

जानकारी अनुसार वर्ष 2013 से 2025 तक पिछले 13 वर्षों में शवदान के लिए कुल 18 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। वहीं नेत्रदान के लिए वर्ष 2010 से 2024 तक 14 वर्षों में 425 लोगों ने अपनी सहमति दी है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि जिले में अंगदान के लिए व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। जागरूकता की कमी के कारण लोग अंगदान देने सामने नहीं आ रहे है। बताया गया कि इस वर्ष 2025 में अभी तक अंगदान या शवदान के लिए कोई नया आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, जो चिंताजनक है। अंगदान, विशेषकर नेत्रदान किसी नेत्रहीन व्यक्ति के जीवन में रोशनी भर सकता है। इसी तरह शवदान मेडिकल छात्रों के लिए अध्ययन और शोध का एक अमूल्य साधन बनता है, जिससे चिकित्सा विज्ञान को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती ने बताया कि प्रतिवर्ष 25 अगस्त से 8 सितंबर तक नेत्रदान पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को नेत्रदान के प्रति प्रेरित करना और इसकी प्रक्रिया के बारे में जानकारी देना है। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर इसका प्रभाव कम ही नजर आ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि सामाजिक और धार्मिक भ्रांतियां, जानकारी का अभाव और अंगदान से जुड़ी प्रक्रिया की जटिलता भी हो सकती है।

जैन समाज आया था आगे

नेत्र दान के लिए वैसे व्यक्तिगत रूप से लोगों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। 2010 से 2024 तक 425 नेत्र दान काफी कम है। इसमें भी 108 नेत्र दाता जैन समाज के एक शिविर में आगे आए थे। सितंबर 2017 में पिंडरई में शिविर लगाया गया था। जिसमें 108 लोगों ने नेत्रदान किया था। इस तरह समाजिक रूप से बड़ी संख्या में नेत्र दान के लिए लोगों को पेरित भी नहीं किया जा रहा है। लोगों के मन में आज भी भ्रांतियां जिसके कारण लोग अंग दान से पीछे हटते हैं।

हर कोई नहीं कर सकता अंगदान

सिविल सर्जन डॉ विजय धुर्वे ने बताया कि हर कोई अंग दान नहीं कर सकता। कुछ मेडिकल कंडीशन वाले लोग कई बार अंग दान नहीं कर पाते। अंग दान करने का फैसला चिकित्सा मानदंडों के आधार पर किया जाता है। कुछ बीमारियां जैसे कैंसर, एचआईवी या किसी संक्रमण से पीड़ित लोगों से अंगों का दान नहीं लिया जाता है।

जागरूक होने की जरूरत

अंगदान और शवदान जैसे कार्यों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों को मिलकर काम करने की जरूरत है। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाना, डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को इस विषय पर प्रशिक्षित करना और अंगदान के महत्व को समझाने वाले कार्यक्रमों का आयोजन करना आवश्यक है। तभी मंडला जिले में अंगदान की दर बढ़ सकती है और लोग मरने के बाद भी दूसरों के जीवन में उम्मीद की किरण जगा सकते हैं। यह सिर्फ एक व्यक्ति का निर्णय नहीं है, बल्कि एक पूरे समाज को जीवन देने का संकल्प है।

एक चिकित्सक के रूप में हमारा मुख्य उद्देश्य हमेशा से जीवन को बचाना और उसे बेहतर बनाना रहा है। नेत्रदान भी इसी उद्देश्य को पूरा करने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यह पहल न केवल चिकित्सा पेशे के मूल्यों को दर्शाती है, बल्कि समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने में भी मदद करती है। किसी नेत्रहीन व्यक्ति के लिए यह दान किसी वरदान से कम नहीं होता, जो उसके जीवन में उजाला लाता है।

डॉ. सुरेंद्र सिंह, नारायणगंज, बबलिया

मैंने हमेशा से नेत्रदान के बारे में सोचा था कि मुझे अपने जीवन में यह नेक काम जरूर करना है। आज जब मुझे यह अवसर मिला है, तो मैं बहुत संतुष्ट महसूस कर रहा हूँ। मेरा मानना है कि मरने के बाद भी हमारी आँखें किसी के जीवन में रोशनी भर सकती हैं। यह एक ऐसा कार्य है जो हमें मृत्यु के बाद भी जीवित रखता है और किसी और की जिंदगी को रोशन करता है।

देवेन्द्र साहू, एसटीएस, मंडला

पहाड़ी में मिला महिला का शव

मोहनटोला में मिले संदिग्ध महिला की पहचान करने का किया जा रहा प्रयास

मंडला 12 अगस्त नभाप्र. महाराजपुर थाना क्षेत्र में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव घंसौर रोड पर मोहनटोला के पास पहाड़ियों में सडक़ किनारे खाई में मिला था। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद महाराजपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। एसपी रजत सकलेचा ने बताया कि मृतक महिला की उम्र 35 से 40 वर्ष के बीच है। पुलिस सीसीटीवी और कॉल रिकॉर्ड के आधार पर महिला की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

बतायसा गया कि घटना स्थल पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, एसडीओपी पियूष मिश्रा और थाना प्रभारी डॉ जय सिंह यादव सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है और बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि महिला की पहचान और जांच के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है, जिसमें महिला की पहचान, मौत के कारण और घटना के पीछे के संभावित मकसद शामिल हैं।

छात्रों को बताए तिरंगा यात्रा का महत्व और उद्देश्य

बीजाडांडी में तिरंगा यात्रा रैली का आयोजन, राष्ट्रभक्ति और एकता का दिया संदेश

बीजाडांडी 12 अगस्त नभाप्र. विकासखण्ड बीजाडांडी के मॉडल स्कूल एवं कन्या परिसर में तिरंगा यात्रा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मप्र जन अभियान परिषद के सलाहकार शिवनारायण पटेल, संभाग समन्वयक रवि प्रसाद बर्मन, जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी, विकासखण्ड समन्वयक मंजुलता पांडेय सहित जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में नवांकुर संस्था प्रमुख आदित्य मिश्रा ने सभी अतिथियों का परिचय कराया और पौधों के साथ उनका सम्मान किया। इसके बाद शिवनारायण पटेल ने उद्बोधन दिया। जनपद पंचायत बीजाडांडी के उपाध्यक्ष बिजेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को तिरंगा यात्रा के महत्व और उद्देश्य की जानकारी दी। रैली में हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा के नारों के साथ विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में शपथ ग्रहण भी कराया गया, जिसमें सभी ने राष्ट्रध्वज का सम्मान और देश की एकता-अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जगत सिंह परते, हरिलाल परते, दिलीप बरकडे, बद्री प्रसाद मरकाम, श्रद्धा तिवारी, देव प्रकाश पांडे, विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही। राष्ट्रभक्ति और एकता के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

घुघरी में प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने विधायक को सौंपा ज्ञापन, रखीं मांगें

घुघरी 12 अगस्त नभाप्र. प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश भोपाल के प्रांतीय संगठन के निर्देश पर घुघरी तहसील इकाई ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बिछिया विधानसभा के विधायक नारायण सिंह पट्टा को ज्ञापन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया। बताया गया कि एसोसिएशन के पदाधिकारी विधायक से मिलने पहुँचे और उन्हें पेंशनभोगियों की समस्याओं से अवगत कराया। ज्ञापन सौंपने वालों में तहसील इकाई के अध्यक्ष सीएल भलावी, कार्यकारी अध्यक्ष डीएल पटेल, उपाध्यक्ष देवेंद्र दीक्षित और सचिव गजानन झरिया शामिल थे। एसोसिएशन ने उम्मीद जताई है कि सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करेगी और पेंशनभोगियों के हित में आवश्यक कदम उठाएगी। इस ज्ञापन के माध्यम से पेंशनरों ने सरकार तक अपनी आवाज पहुँचाने का प्रयास किया है, जिससे उनकी समस्याओं का समाधान हो सके।

टिकरिया में पानी की पाइपलाइन से लीकेज जारी, व्यर्थ बह रहा पानी

ग्राम पंचायत की अनदेखी से बर्बाद हो रहा पानी, ग्रामीण परेशान

नारायणगंज 12 अगस्त नभाप्र. जल ही जीवन है, लेकिन ग्राम पंचायत पटेहरा के तहत आने वाले ग्राम टिकरिया में यह नारा बेमानी साबित हो रहा है। यहाँ वेयर हाउस के पास बिछी पानी की पाइपलाइन से लगातार पानी का रिसाव हो रहा है, जिससे रोजाना सैकड़ों लीटर पानी व्यर्थ बह जाता है। शिकायत के बावजूद ग्राम पंचायत इस पर कोई ध्यान नहीं दे रही है, जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

गर्मियों के मौसम में ग्रामीणों को पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ा था। उस समय घर-घर पानी पहुँचाने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन बारिश का मौसम आते ही और पानी की कमी दूर होने के बाद पंचायत ने अपनी लापरवाही जारी रखी है। टिकरिया स्थित पाइपलाइन का रिसाव इतना ज्यादा है कि यह एक बड़ी समस्या बन गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल एक जगह की समस्या नहीं है, बल्कि पंचायत के कई गाँवों में इस तरह के लीकेज मौजूद हैं। जनप्रतिनिधि और पंचायत इस समस्या से अच्छी तरह परिचित हैं, लेकिन उनकी ओर से मरम्मत के लिए कोई पहल नहीं की जा रही है। यदि समय रहते इस लीकेज को ठीक कर दिया जाए, तो व्यर्थ बहने वाले पानी को बचाया जा सकता है, जिसका उपयोग अन्य कार्यों में किया जा सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने की माँग की है।

जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित

माउंट फोर्ट स्कूल में विद्यार्थियों ने दिखाया खेल कौशल

मंडला 12 अगस्त नभाप्र. माउंट फोर्ट विद्यालय के इनडोर हॉल में जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एपीसी मंडला मुकेश पांडे रहे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना और अनुशासन के महत्व के बारे में बताया और उन्हें बैडमिंटन के नियमों और तकनीकों से अवगत कराया। मुकेश पांडे ने प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया।

जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के आयोजन में माउंट फोर्ट विद्यालय के संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन, उप-प्राचार्य ब्रदर मैथ्यूज, ब्रदर नीलेश, खेल शिक्षक अभिषेक श्रीवास, रमा मार्को और जिले के अन्य स्कूलों से आए खेल शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यालय परिवार और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी दर्शक मौजूद रहे। इस आयोजन ने खिलाड़ियों में न केवल उत्साह भरा, बल्कि उनमें खेल के प्रति नई ऊर्जा और जागरूकता भी पैदा की।

बिछिया पतंजलि योग समिति का हुआ गठन

भुआ बिछिया 12 अगस्त नभाप्र. पतंजलि योग समिति मंडला के जिला संरक्षक सुनील बाली, जिला अध्यक्ष योग आयोग मध्यप्रदेश केडी दुबे, उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता, वरिष्ठ योग शिक्षक सीके वैष्णव, डीडी पांडे के द्वारा बिछिया पतंजलि योग समिति का पुनर्गठन किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारी पतंजलि तहसील अध्यक्ष बिछिया दशरथ लाल गवले, भारत स्वाभिमान तहसील अध्यक्ष बिछिया योगेश यादव, किसान सेवा समिति अध्यक्ष प्रदीप राय, अध्यक्ष युवा भारत दीपक पांडे, मीडिया प्रभारी संजय दीक्षित सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए। पतंजलि के तहसील संरक्षक के पद पर आजाद चौबे को मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट, महामंत्री नरेश राजपूत, कृष्ण कुमार पांडे, महिला पतंजलि तहसील प्रभारी सीमा राजपूत समेत नवनिर्वाचित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय दल ने किया हेपेटाइटिस और कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम का निरीक्षण

भोपाल से आए दल ने गर्भवती महिलाओं की हेपेटाइटिस जाँच पर दिया जोर

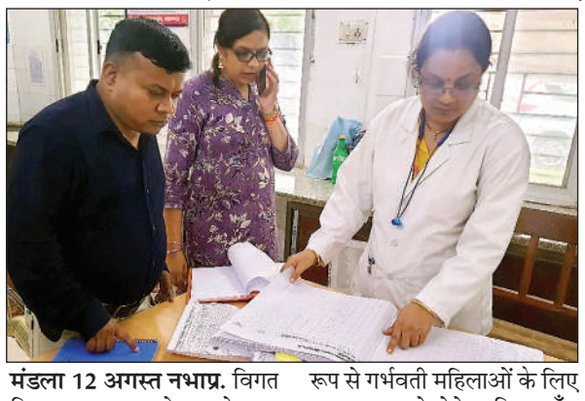

मंडला 12 अगस्त नभाप्र. विगत दिवस राज्य स्तर भोपाल से आए दल ने जिले में संचालित हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम और लेप्रोसी (कुष्ठ रोग) कंट्रोल प्रोग्राम का गहन निरीक्षण किया। इस दल में डॉ. शिखा शुक्ला, सुभाष पांडे, राजेन्द्र वर्मा जिला एपीडर्मीयोलॉजिस्ट शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान दल ने विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं के लिए चलाए जा रहे हेपेटाइटिस जाँच कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने जानकारी ली कि कितनी गर्भवती महिलाओं की जाँच की जा चुकी है, और जाँच के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की। डॉ. शिखा शुक्ला और सुभाष पांडे ने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि सभी गर्भवती माताओं को हेपेटाइटिस की जाँच कराने के लिए प्रोत्साहित और जागरूक किया जाए जिससे संक्रमण का समय पर पता लगाया जा सके। निरीक्षण के दौरान लेप्रोसी कंट्रोल प्रोग्राम के तहत किए जा रहे प्रयासों का भी मूल्यांकन किया गया। दल ने नए मामलों की खोज की प्रक्रिया की जानकारी ली और इस बात पर जोर दिया कि लेप्रोसी के हर मरीज को पूरा और समय पर उपचार मिले। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार से न केवल मरीज ठीक होते हैं, बल्कि समाज में कुष्ठ रोग के प्रसार को भी रोका जा सकता है। निरीक्षण दल ने दोनों कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया और भविष्य में इन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

तिरंगा रैली के साथ स्वच्छता अभियान का संदेश

नैनपुर 12 अगस्त नभाप्र. स्वतंत्रता दिवस से पहले नैनपुर में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान के तहत एक तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली नैनपुर नगरपालिका, स्कूल प्रशासन और पुलिस दल के सहयोग से निकाली गई। रैली का शुभारंभ तहसील कार्यालय से हुआ, जो राधा कृष्ण मंदिर, रेलवे फाटक और मुख्य मार्ग से होते हुए स्थानीय जेआरसी ग्राउंड पहुँची। यहाँ पर छात्र-छात्राओं ने एक विशाल मानव श्रृंखला बनाकर अभियान की थीम हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष कृष्णा पंजवानी ने सभी छात्र-छात्राओं को स्वच्छता और तिरंगा अभियान से संबंधित शपथ दिलाई। इसके बाद उपाध्यक्ष संजू लता वैष्णव, पार्षदगण और अन्य अधिकारियों ने छात्रों के साथ मिलकर जेआरसी ग्राउंड से मुख्य मार्ग तक रैली निकाली, जिसके बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आशुतोष ठाकुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नीरज राज, थाना प्रभारी बलदेव सिंह मुजाल्दा सहित कई गणमान्य नागरिक और मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

एचआईवी सघन जागरूकता अभियान का आगाज

दो महीने चलेगा विशेष कार्यक्रम, आमजन को किया जाएगा जागरूक

मंडला 12 अगस्त नभाप्र. जिला चिकित्सालय मंडला में एचआईवी सघन जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। यह अभियान 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक पूरे जिले में चलेगा, जिसमें विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। बताया गया कि अभियान की शुरुआत एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम से हुई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. सुमित सिंगौर और सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे मौजूद रहे। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को एचआईवी के लक्षण, संक्रमण के तरीकों, बचाव के उपाय, जाँच और उपचार की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को समुदाय में संदेश पहुँचाने की रणनीतियों और प्रचार प्रसार सामग्री के उपयोग के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया। ओरिएंटेशन सत्र के बाद एक सघन जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में एचआईवी से जुड़े स्लोगन और संदेश वाले बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए गए। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने सुरक्षित यौन व्यवहार, कंडोम के सही उपयोग और समय पर एचआईवी जाँच व उपचार के महत्व पर जोर दिया।

टोल फ्री नंबर और एड्स अधिनियम की दी जानकारी

डॉ. सुमित सिंगौर और डॉ. विजय धुर्वे ने बताया कि एचआईव्ही केवल असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त, और सुई, सिरिंज के साझा उपयोग से फैलता है। उन्होंने कहां कि यह छूने, गले लगाने या साथ खाने-पीने से नहीं फैलता है, जिससे समाज में फैली भ्रांतियों को दूर किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने एचआईवी और एड्स अधिनियम 2017 के बारे में भी जानकारी दी, जिसमें एचआईव्ही से पीड़ित व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा और उनके साथ होने वाले भेदभाव को रोकने के लिए सख्त प्रावधान हैं। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1097 की भी जानकारी दी गई।

ठगी भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन के कर्मचारी पर आरोप, निवास थाने में शिकायत दर्ज

लोन के नाम पर आदिवासी महिलाओं से लाखों की ठगी, सांसद के गृह ग्राम का मामला

निवास 12 अगस्त नभाप्र. मंडला जिले के निवास क्षेत्र में एक बार फिर आदिवासी और अशिक्षित महिलाओं से धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस बार ठगी का शिकार हुई महिलाएं मंडला सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते के गृह ग्राम खिन्हा की हैं। यहां भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन की नारायणगंज स्थित शाखा के दो कर्मचारियों ने कथित तौर पर एक दर्जन से अधिक महिलाओं से 4.81 लाख रुपए का गबन किया है। पीड़ित महिलाओं ने मंगलवार को निवास थाने में शिकायत दर्ज कराई और मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। महिलाओं ने बताया कि भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन में काम करने वाली मनीषा परस्ते और बैंक मैनेजर राजेश कुशरे ने उन्हें समूह बनाने और जरूरी कार्यवाही के नाम पर कम्प्यूटर, डिवाइस और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए।

महिलाओं का आरोप है कि उन्हें किसी भी तरह का कोई लोन नहीं दिया गया। लेकिन कुछ महीनों बाद मैनेजर राजेश कुशरे साप्ताहिक तौर पर उनसे लोन की किस्त वसूलने आने लगे। जब महिलाओं ने इसका विरोध किया और कहा कि उन्होंने कोई लोन नहीं लिया है, तो मैनेजर ने उन्हें जेल भेजने की धमकी दी। जब पीड़ित महिलाओं ने इस मामले की जानकारी जुटाई, तो उन्हें पता चला कि उनके नाम पर लाखों का लोन निकाला जा चुका है।

बताया गया कि पार्वती बाई के नाम पर 1 लाख, फूला बाई के नाम पर 50 हजार, लक्ष्मी बाई के नाम पर 75 हजार, गया बाई के नाम पर 60 हजार, पतिया बाई के नाम पर 15 हजार, गीता बाई के नाम पर 68 हजार, लाडली बाई के नाम पर 32 हजार, लक्ष्मी यादव के नाम पर 15 हजार और ममता यूईके के नाम पर 50 हजार का लोन निकाल लिया गया था। कुल मिलाकर यह राशि 4.81 लाख थी। महिलाओं ने बताया कि लोन की यह पूरी राशि उनके फिंगरप्रिंट का इस्तेमाल कर बैंक से निकाल ली गई और मैनेजर राजेश कुशरे व मनीषा परस्ते ने रख ली। अब उन पर वसूली के लिए दबाव बनाया जा रहा है। घटना के बाद से मनीषा परस्ते फरार है।

महिलाओं के गहने हड़पे

धोखाधड़ी का यह मामला यहीं खत्म नहीं होता। पीड़ित महिलाओं में से गीता बाई से एक जोड़ी चांदी का गजरा, एक जोड़ी पायल और एक सोने का मंगलसूत्र भी लिया गया था। इसी तरह सीमा और कमला से चांदी का करधन लिया गया था। इन गहनों को कुछ दिनों में वापस करने का वादा किया गया था, लेकिन अब मनीषा परस्ते गांव से फरार है। इस घटना से यह साफ है कि आदिवासी क्षेत्रों में समूह बनाकर लोन देने के नाम पर धोखाधड़ी का यह गोरखधंधा तेजी से फल-फूल रहा है।